मिशन UP PET 2023

HINDI

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

UPPET 2021 & 2022

पिछले वर्षों के आधार पर

BY HINDI GURU

LIVE 05:00 PM

Q1.

"धरेश" का सही संधि विच्छेद है- (UPSSSC PET 16 OCT SECOND SHIFT 2021)

(1) धरा: +
अश

(2) धरा +
इश

(3) धरा +
ईश

(4) धर + ईश

Q2.

समश्रुत शब्द 'अलि-अली' शब्द युग्म का सही अर्थ क्या है? (UPSSSC PET 16 OCT SECOND SHIFT 2021)

(1) कंधा-
हिस्सा

(2) दसन-
दर्शन

(3) दमन-
दामन

(4) भौंरा-
सखी

Q3.

“नागर” का पर्यायवाची शब्द है- (UPSSSC PET 16 OCT SECOND SHIFT 2021)

(1) नगर

(2) देवनागरी

(3) चतुर

(4) ढोल

Q4.

"संन्यासी" का विलोम शब्द है- (UPSSSC PET 16 OCT SECOND SHIFT 2021)

(1) संतापी

(2) गृहस्थ

(3) विरक्त

(4) इनमें से कोई नहीं

Q5.

"कोल्हू का बैल होना" का अर्थ है- (UPSSSC PET 16 OCT SECOND SHIFT 2021)

(1) बुरी तरह काम में लगे रहना।

(2) मन लगाकर काम नहीं करना।

(3) निर्धन होना।

(4) बहुत दिनों बाद दिखाई देना।

निर्देश(6-10): निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए: (UPSSSC PET SECOND SHIFT 2021)

स्वतंत्रता संग्राम मनुष्य में उत्तम और स्पृहणीय विशेषताएँ पैदा करता है और भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम भी इसका अपवाद नहीं है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह युद् बिना किसी ईर्ष्या-द्वेष तथा खून-खराबे के लड़ा गया था। गाँधीजी इसे सत्याग्रह कहते थे। इसके पीछे उनकी शिक्षा, धार्मिक आस्था तथा अन्य उपलब्धियों का उतना हाथ नहीं था जितना उनके सदाचरण और व्यवहार का। इस स्वातंत्र्य आंदोलन को स्मरण रखने का मुख्य कारण यह है कि यह जनतांत्रिक था अर्थात् इसमें देश के हर वर्ग और जाति के लोग सम्मिलित थे, चाहे वे धनी हों या गरीब, नर हो या नारी हों अथवा विभिन्न संप्रदायों के। इसके साथ ही यह एक धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता कर्मियों का संघर्षशील राष्ट्रीय आंदोलन था। स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम आज जनतांत्रिकता और धर्म-निरपेक्षता का लाभ उठा रहे हैं। हम सोच नहीं सकते कि इतने बड़े देश में अपना शासन करने के लिए हम अपना प्रतिनिधि नहीं चुन

स्वतंत्रता संग्राम मनुष्य में उत्तम और स्पृहणीय विशेषताएँ पैदा करता है और भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम भी इसका अपवाद नहीं है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह युद् बिना किसी ईर्ष्या-द्वेष तथा खून-खराबे के लड़ा गया था।

Q6.
उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त 'स्पृहणीय' शब्द का अर्थ है-
(1) प्राप्त करने योग्य
(2) प्राप्त की हुई
(3) त्याग करने योग्य
(4) त्याग की हुई

महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह युद् बिना किसी ईर्ष्या-द्वेष तथा खून-खराबे के लड़ा गया था। गाँधीजी इसे सत्याग्रह कहते थे। इसके पीछे उनकी शिक्षा, धार्मिक आस्था तथा अन्य उपलब्धियों का उतना हाथ नहीं था जितना उनके सदाचरण और व्यवहार का।

Q7.
उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने मुख्य रूप से बताया है कि-
(1) आजादी में क्रांतिकारियों की विशेष भूमिका थी।
(2) आजादी के संघर्ष में कृषकों का क्या योगदान था।
(3) गुलाम देश की दशा कैसी थी।
(4) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन कैसा था।

स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम आज जनतांत्रिकता और धर्म-निरपेक्षता का लाभ उठा रहे हैं। हम सोच नहीं सकते कि इतने बड़े देश में अपना शासन करने के लिए हम अपना प्रतिनिधि नहीं चुन सकते थे

Q8.
उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का उद्देश्य क्या था?
(1) धार्मिक आस्थाओं और सद्व्यवहार को बढ़ावा देना।
(2) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता बताना।
(3) अंग्रेजी राज्य के दोष गिनाना।
(4) जनतांत्रिकता से हानि बताना।

इसके साथ ही यह एक धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता कर्मियों का संघर्षशील राष्ट्रीय आंदोलन था। स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम आज जनतांत्रिकता और धर्म-निरपेक्षता का लाभ उठा रहे हैं।

Q9.
धर्मनिरपेक्षता से अभिप्राय है-
(1) सभी धर्मों का आदर।
(2) धर्म में हस्तक्षेप न करना।
(3) धर्म की अवज्ञा।
(4) किसी भी धर्म को न मानना।

इस स्वातंत्र्य आंदोलन को स्मरण रखने का मुख्य कारण यह है कि यह जनतांत्रिक था अर्थात् इसमें देश के हर वर्ग और जाति के लोग सम्मिलित थे, चाहे वे धनी हों या गरीब, नर हो या नारी हों अथवा विभिन्न संप्रदायों के। इसके साथ ही यह एक धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता कर्मियों का संघर्षशील राष्ट्रीय आंदोलन था।

Q10.
कैसे माना जाए कि हमारा स्वतंत्रता संग्राम जनतांत्रिक था?
(1) यह महात्मा गाँधी के सद्व्यवहार और सदाचरण का प्रतीक था।
(2) इसमें हिन्दू और मुसलमान सम्मिलित हुए थे।
(3) यह स्वतंत्रता-प्रेमियों का आंदोलन था।
(4) इसमें सभी जातियों, वर्गों, धर्मों के लोगों ने भाग लिया था।

निर्देश(11-15): निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए: (UPSSSC PET 15 OCT FIRST SHIFT 2022)

ज्ञान राशि के संचित कोश को ही साहित्य कहा जाता है। साहित्य जहाँ समाज को प्रभावित करता है, वहीं वह समाज से प्रभावित भी होता है। व्यक्ति समाज और साहित्य दोनों की रचना करता है। साहित्य से ही हमें अपने गौरवशाली इतिहास की जानकारी मिलती है। प्रत्येक युग का साहित्य अपने युग के प्रगतिशील विचारों द्वारा किसी न किसी रूप में अवश्य प्रभावित होता है। साहित्य हमारी कौतूहल एवं जिज्ञासा वृत्तियों और ज्ञान की पिपासा को तृप्त करता है। साहित्य से ही किसी राष्ट्र का इतिहास, गरिमा, संस्कृति और सभ्यता, वहाँ के पूर्वजों के विचारों एवं अनुसंधानों, प्राचीन रीति-रिवाजों, रहन-सहन और परंपराओं आदि की जानकारी प्राप्त होती है। किस काल में देश के किस भाग में कौन-सी भाषा बोली जाती थी, उस समय की वेशभूषा क्या

साहित्य समाज का दर्पण है- इससे अभिप्राय यही है कि साहित्य समाज का न केवल चित्र प्रस्तुत करता है, अपितु समाज के प्रति वह अपना दायित्व निर्वाह भी करता है। समाज में फैली अनैतिकता, अराजकता, निरंकुशता जैसे अवांछनीय तत्वों के दुष्प्रभावों को साहित्य बड़े ही मर्मस्पर्शी रूप में हमारे समझ लाता है। हिंदी साहित्य की आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक रचित प्राय: सभी रचनाओं द्वारा तत्कालीन समाज की परिस्थिति, विचार व कार्य व्यापार की पूरी जानकारी प्राप्त होती है। यह भी सही है कि यदि साहित्य वास्तव में केवल समाज का दर्पण होता, तो कवि या साहित्यकार समाज की विसंगतियों या विडंबनाओं पर प्रहार नहीं करता और उसे अपेक्षित दिशा बोध देने के लिए भी प्रयत्नशील नहीं रहता। समाज के प्रति साहित्यकार का दायित्व आशा का संचार करना, उत्साह व कर्तव्यबोध को दिशा देना आदि है। प्राचीन काल से लेकर आज तक के साहित्यकारों की यही गौरवशाली परंपरा रही है कि समाज की रूपरेखा को

साहित्य समाज का दर्पण है- इससे अभिप्राय यही है कि साहित्य समाज का न केवल चित्र प्रस्तुत करता है, अपितु समाज के प्रति वह अपना दायित्व निर्वाह भी करता है। समाज में फैली अनैतिकता, अराजकता, निरंकुशता जैसे अवांछनीय तत्वों के दुष्प्रभावों को साहित्य बड़े ही मर्मस्पर्शी रूप में हमारे समझ लाता है।

Q11.
साहित्य अपने दायित्व का निर्वाह किस प्रकार पूरा करता है?
(1) इतिहास बताकर
(2) दुष्प्रभावों को सामने लाकर
(3) दर्पण के माध्यम से
(4) पूरी जानकारी देकर

समाज के प्रति साहित्यकार का दायित्व आशा का संचार करना, उत्साह व कर्तव्यबोध को दिशा देना आदि है। प्राचीन काल से लेकर आज तक के साहित्यकारों की यही गौरवशाली परंपरा रही है कि समाज की रूपरेखा को कल्याणकारी व सुखद मार्ग द्वारा प्रस्तुत करने से सत्साहित्य का रचनाकार कभी पीछे नहीं हटता है।

Q12.
साहित्यकार समाज के प्रति अपने उद्देश्य को कैसे परिपूर्ण करता है?
(1) साहित्यकार तोपों और तलवारों की शक्ति का प्रयोग करता है।
(2) साहित्यकार समाज में अपनी कृतियों द्वारा आशा का संचार करता है और उत्साह एवं कर्तव्यवाद का संदेश देता है।
(3) साहित्यकार समाज की रूपरेखा को कल्याणकारी व सुखद मार्ग द्वारा प्रस्तुत करने से सदा पीछे ही रहता है।

साहित्य से ही किसी राष्ट्र का इतिहास, गरिमा, संस्कृति और सभ्यता, वहाँ के पूर्वजों के विचारों एवं अनुसंधानों, प्राचीन रीति-रिवाजों, रहन-सहन और परंपराओं आदि की जानकारी प्राप्त होती है।

Q13.
साहित्य हमें किस तरह से पुरानी पीढ़ियों की जानकारी देता है?
(1) समाज में फैली अनैतिकता, अराजकता, निरंकुशता जैसे अवांछनीय तत्वों के दुष्प्रभावों को साहित्य द्वारा ही जाना जा सकता है।
(2) राष्ट्र का इतिहास, गरिमा, संस्कृति-सभ्यता, पूर्वजों के विचार, अनुसंधान आदि तत्कालीन साहित्य द्वारा ही जाने जा सकते हैं।
(3) साहित्य समाज का दर्पण होता है, इसलिए साहित्य द्वारा पुराने समाज की बुराइयों का परिचय प्राप्त होता है।
(4) साहित्य समाज का दर्पण मात्र नहीं है, अतएव

साहित्य समाज का दर्पण है- इससे अभिप्राय यही है कि साहित्य समाज का न केवल चित्र प्रस्तुत करता है, अपितु समाज के प्रति वह अपना दायित्व निर्वाह भी करता है। समाज में फैली अनैतिकता, अराजकता, निरंकुशता जैसे अवांछनीय तत्वों के दुष्प्रभावों को साहित्य बड़े ही मर्मस्पर्शी रूप में हमारे समझ लाता है। समाज के प्रति साहित्यकार का दायित्व बोध का संचार करना

Q14.
साहित्य केवल समाज का दर्पण क्यों नहीं है?
(1) क्योंकि साहित्य समाज में फैली अनैतिकता, अराजकता, निरंकुशता जैसे अवांछनीय तत्वों के दुष्प्रभावों को हमसे छिपाता है।
(2) क्योंकि साहित्यकार केवल समाज की विडंबनाओं और विसंगतियों को दर्शाता है।
(3) क्योंकि साहित्य द्वारा समाज की विडंबनाओं और विसंगतियों पर प्रहार करके उनमें सुधार लाने की कोशिश की जाती है।
(4) क्योंकि साहित्य समाज की प्राचीन परंपराओं से जुड़कर अंधविश्वास जैसे दूषणों को स्वीकार करना सिखाता है।

Q15.
प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उचित शीर्षक क्या हो सकता है?
(1) साहित्य का भविष्य
(2) समाज
(3) साहित्य और समाज
(4) साहित्य और शिक्षा

Thank You!